पुदुचेरी की 15वीं विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों हेतु नई दिल्ली में आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन में संबोधन

- भारत के लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में मैं आप सभी माननीय सदस्यों का स्वागत करता हूं।

- लोक सभा सचिवालय के प्राइड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से पुदुचेरी की 15वीं विधान सभा के लिए निर्वाचित होने पर आप सभी का अभिनंदन करता हूं एवं बधाई देता हूँ। विधानसभा के सदस्य के रूप में पुदुचेरी की जनता ने आपको एक गंभीर ज़िम्मेदारी दी है।

- आपका सर्वप्रथम प्रयास जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करना होना चाहिए, उनके अभावों और कठिनाईयों को दूर करने का होना चाहिए।

- साथियो, लोक सभा देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। इस नाते हम देश की अन्य लोकतांत्रिक संस्थाओं की capacity building करने के लिए उनका प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करते हैं। हमारी प्रशिक्षण संस्था प्राइड का विधानसभाओं के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित करने का एक लम्बा अनुभव रहा है।

- इस तीन दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि आपको संसदीय पद्धतियों, प्रणालियों, परम्पराओं एवं परिपाटियों की जानकारी तो मिलेगी ही, आपको हमारे प्रतिष्ठित संसदविदों से संवाद करने का अवसर भी मिलेगा, उनके अनुभवों का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा।

- साथियों, आप हमारे देश की प्राचीन लोकतांत्रिक परम्परा के वाहक हैं। लोकतंत्र हमारी संस्कृति का अंग है, हमारी सोच में है, हमारी जीवन शैली में है। इस वर्ष देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष होने जा रहे हैं। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के इन सात दशकों की यात्रा में देश में लोकतंत्र और अधिक सशक्त हुआ है, मजबूत हुआ है।

- जनता की लोकतंत्र तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में आस्था बढ़ी है। यह आस्था इसलिए बढ़ी है कि जनता लोकतांत्रिक संस्थाओं को अपने दुखों एवं अभावों के समाधान का एक प्रभावी माध्यम मानती है। लोकतांत्रिक संस्थाओं के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने जनता की समस्याओं को अभिव्यक्ति देने तथा उनके समाधान निकालने के प्रयास किए हैं।

- पुदुचेरी अपने अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विख्यात है। यहाँ की टाउन प्लानिंग, वास्तुशिल्प, संस्कृति पर फ्रेंच प्रभाव के कारण इसे 'इंडिया का लिटिल फ्रान्स' भी कहा जाता है।

- आप जिस संघ राज्य क्षेत्र के जनप्रतिनिधि हैं, वह कई मायनों में विशिष्ट है। देश के अन्य राज्यों के विपरीत आपका Union Territory तीन अलग-अलग क्षेत्रों में फैला है। आपके Union Territory का एक विशिष्ट इतिहास रहा है।

- वर्ष 1963 में प्रथम विधान सभा के गठन के समय से Puducherry विधान सभा ने समय के साथ सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों में परिवर्तन के अनुकूल स्वयं को ढाला है।

- एक जनप्रतिनिधि के रूप में आपका दायित्व है कि आप अपने क्षेत्र में हो रहे बदलावों पर ध्यान दें, जनता की बदलती उम्मीदों और आकांक्षाओं के अनुसार कार्य करें तथा अपने निर्वाचन क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करें। अपने मतदाताओं से आपका नियमित सम्पर्क आपके कार्य के लिए ज़रूरी है।

- आपका कार्य इस प्रकार का होना चाहिए कि आपके क्षेत्र में समाज का आख़िरी व्यक्ति भी स्वयं को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का भागीदार समझे तथा स्वयं को एक ज़िम्मेदार नागरिक समझे। उसके मन में यह भावना रहे कि उसकी आवाज़ भी सुनी जाती है, उसकी आवश्यकताओं का भी ख़्याल रखा जाता है।

- हमारा देश बहुलतावादी देश है। यहां पर क्षेत्रीय आधार पर, भाषा एवं संस्कृति के आधार पर बड़ी विविधताएं हैं। इसलिए विभिन्न क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

- आप अपने क्षेत्र की भौगोलिक तथा सामाजिक संरचना को भली भाँति समझते हैं। एक जनप्रतिनिधि के रूप में आप अपने मतदाताओं के लिए ऐसी कार्य योजना बनाने में सहायता करें जो उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हो।

- आपका यह भी दायित्व है कि आप अपने नागरिकों और शासन के बीच एक सेतु का कार्य करें, शासन को अच्छी नीतियाँ बनाने के लिए अपने इनपुट दें ताकि आपके क्षेत्र के नागरिकों का अधिकतम कल्याण हो सके।

- जनप्रतिनिधि अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन तभी कर सकते हैं जब वे सभा में उपलब्ध सभी साधनों का अधिकतम उपयोग करें तथा सभा के विधायी, वित्तीय और अन्य कार्यों में सक्रियता से भाग लें।

- सभा में मामले उठाने के लिए सदस्यों के पास अनेक प्रक्रियात्मक साधन उपलब्ध हैं जो सदन की नियम प्रक्रियाओं में वर्णित होते हैं।

- देश के संविधान में आपके विशेषाधिकार भी परिभाषित किए गए हैं, जिससे सदन में आपको अपनी बात रखने की पूरी स्वतंत्रता मिलती है।

- एक प्रभावी विधायक बनने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि आपके पास विभिन्न प्रकार के प्रस्तावों, प्रश्नों, नोटिसों और अन्य प्रक्रियाओं की पर्याप्त जानकारी हो। इसमें आपको इस प्रबोधन कार्यक्रम से पूरी सहायता मिलेगी।

- यह प्रबोधन कार्यक्रम आपके लिए एक प्रभावी जन प्रतिनिधि के रूप में अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सहायक सिद्ध होगा। इस प्रबोधन कार्यक्रम से विधायी प्रक्रियाओं के बारे में आपकी जानकारी और बढ़ेगी तथा आप विधायक के रूप में और अधिक प्रभावी ढंग से अपने कर्तव्यों का पालन कर पाएंगे। मुझे विश्वास है कि यह प्रबोधन कार्यक्रम विशेष रूप से पहली बार निर्वाचित सदस्यों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। विषयों की प्राथमिकता तय करके और समय के कुशल प्रबंधन से आप सभा में अच्छा प्रभाव छोड़ पाएंगे।

- जनप्रतिनिधि के रूप में आपको यह समझना होगा कि आपको सदन में जनता द्वारा उनकी समस्याओं पर चर्चा संवाद करने तथा उनका समाधान निकालने के लिए भेजा गया है।

- जनता की उम्मीद होती है कि लोकतांत्रिक संस्थाएँ गरिमापूर्ण तरीक़े से उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करें। इसलिए इन संस्थाओं के सदस्यों का कर्तव्य है कि वह अपने मतदाताओं की उम्मीदों के अनुसार कार्य करे।

- इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे सदन में तथा सार्वजनिक जीवन में गरिमापूर्ण आचरण करें। जनता के मापदंडों पर खरा उतरने के लिए हमें सभा में पूरी तरह अनुशासन और शालीनता बनाए रखनी चाहिए तथा सभी नियमों, परम्पराओं और शिष्टाचार का पालन करना चाहिए।

- सभी संसदीय पद्धतियों, प्रक्रियाओं और परम्पराओं का उद्देश्य यही है कि सभा के कार्य शीघ्र और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हों।

- सभी माननीय सदस्यो से आग्रह है कि वे सभा में जाते समय एवं अपनी बात रखते समय सदैव आसन एवं सभा की गरिमा का ध्यान रखें। सभा में सदैव गरिमापूर्ण एवं शालीन आचरण बनाए रखें। सभा में व्यवधान उत्पन्न न करें; न तो वेल में जाएं और न ही तख्तियां या प्लाक दिखायें।

- सभा का समय कीमती होता है एवं इसका उपयोग महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद-चर्चा, गंभीर विमर्श एवं वाद-विवाद के लिए किया जाना चाहिए। सदन में मतभेद और विरोध तो होना चाहिए, पर गतिरोध नहीं होना चाहिए।

- जैसा कि आप जानते हैं कि हमारे अनेक विधान मंडलों की कार्यवाहियों का अब सीधा प्रसारण किया जाता है और बार-बार होने वाले व्यवधानों के कारण यदि विधान मंडल अपना कार्य नहीं कर पाते हैं तो इससे सभा की छवि धूमिल होती है। जन प्रतिनिधि के रूप में हमसे जनता के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है।

- मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि तीन दिन के इस कार्यक्रम के दौरान आपको हमारे कुछ वरिष्ठ सांसदों से संवाद करने का अवसर मिलेगा। इससे आप सभी सदस्यों को हमारी समिति प्रणाली सहित हमारे प्रगतिशील संसदीय लोकतन्त्र तथा संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के विभिन्न पहलुओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिलेगी।

- गण्यमान्य सांसद और लोक सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारीगण जिन्हें कार्यक्रम में दिए गए विषयों के सभी पहलुओं की पूरी जानकारी है, कार्यक्रम में संबन्धित विषय पर व्याख्यान देंगे।

- आप सभी भव्य संसदीय संग्रहालय का दौरा करने के साथ-साथ संसद ग्रंथालय और शोध सेवा का भी दौरा करेंगे।

- माननीय सदस्यों को विशिष्ट अतिथियों की दीर्घा से लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाहियों को देखने का अवसर भी मिलेगा।

- मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि विधायकों को अपनी अभिरुचि के मुद्दों का अध्ययन करने के लिए कुछ समय निकालना चाहिए।

- लोक सभा सचिवालय की समृद्ध संसद ग्रंथालय और शोध सेवा संसद सदस्यों को आवश्यक जानकारी और सहायता प्रदान करती है।

- लोक सभा की लाइब्रेरी भारत की दूसरी सबसे बड़ी लाइब्रेरी है। इसके समृद्ध संसाधनों के सदुपयोग के लिए विधान सभा के सदस्यों के लिए भी सुविधा सुलभ करा दी गयी है। लाइब्रेरी सेवा को और accessible बनाने के उद्देश्य से Parliament Digital Library का पोर्टल सभी के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसके तहत 45 लाख पृष्ठों को डिजिटाइज किया जा चुका है।

- राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के विधानमंडलों की भी अपनी लाइब्रेरी होती है। आप विषयों को उनके सही संदर्भ में समझने के लिए अपने सचिवालय के ग्रंथालय तथा शोध एवं संदर्भ प्रभाग के अधिकारियों की भी सहायता ले सकते हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में हुई नवीनतम प्रगति की जानकारी होने से आप विश्व के किसी भाग से जुड़े विभिन्न मुद्दों के बारे में आसानी से जानकारी हासिल कर सकते हैं।

- हमारी प्राइड सेवा विधान मंडलों के आप सभी माननीय सदस्यों का तो capacity building programme आयोजित करती ही हैं, यह निजी सहायकों के प्रशिक्षण और capacity बिल्डिंग के कार्यक्रम भी आयोजित करती है। आप सभी माननीय सदस्यों को अपने निजी सचिवों की कार्यकुशलता में वृद्धि पर भी ध्यान देना होगा, तभी वे आपके कार्य निष्पादन को और प्रभावी बना सकेंगे।

- साथियो, हमारे लोकतंत्र के केन्द्र में जनता है और जनता ही जनार्दन है। इसलिए, संसद और राज्य विधानमंडलों के सदस्यों को मिलकर इस साझे उद्देश्य से कार्य करना चाहिए कि हमारे देश की जनता को एक सम्मानजनक और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिले। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विकास संबंधी नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

- मुझे विश्वास है कि आप लोग अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग हैं और आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इन्हीं शब्दों के साथ, आपका पुनः स्वागत एवं अभिनंदन।

धन्यवाद।